संदर्भ-ग्रंथ

संदर्भ ग्रंथ (BIBLIOGRAPHY)

चौधरी रामखेलावन, उपाध्याय राधावल्लभ	"भारतीय शिक्षा की सामयिक समस्यायें" विनोद पुस्तक मंदिर आगरा 1977 पृ. सं. 127-130
चंदेल, नरेन्द्र पाल सिंह	"वाणिज्य वर्ग के सामान्य और अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाओं तथा व्यक्तित्व गुणों पर तुलनात्मक अध्ययन" एम. एड. अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर 1986-87
जैन, के. सी. एस.	"वाणिज्य शिक्षण" राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर (राजस्थान) 1987
चौहान, सी. पी. एस	"2001 की शैक्षिक चुनौतियां:जटिलताओं और सुविधायें" शिक्षा विवेचन त्रैमासिक अंक 3, मार्च 1987, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) भारत सरकार ।
कपिल हंस कुमार	"सांख्यिकी के मूल तत्व" विनोद पुस्तक मंदिर , आगरा-1988 पृ. सं. 249
नागर अतुल	"समाजोपयोगी उत्पादक कार्य एवं समाज सेवा :एक विश्लेषणात्मक अध्ययन "एम. एड. अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर 1988
पांडेय, रामशक्ल	"शिक्षा के मूल सिद्धांत" विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
राय, पारसनाथ	"अनुसंधान परिचय" -लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा 1985

सक्सैना, एन. आर. स्वरूप	"शिक्षा सिद्धांत" लायल बुक डिपो, निकट गवर्नमेंट कॉलिज, मेरठ, 1985 पृ. सं. 129 से 193
शर्मा, अंशु	"अजमेर जिले के माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विज्ञान, वाणिज्य व कला वर्ग के शिक्षकों के मूल्यों एवं व्यक्तित्व समायोजन का अध्ययन" एम. एड. अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर 1989-90
शर्मा, सुनीता	"स्वर्ण हिन्दू जाति, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के किशोर छात्र छात्राओं की व्यावसायिक आकांक्षाओं एवं जीवन मूल्यों का अध्ययन" एम. एड. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ।
तिवारी, गोविन्द	"शैक्षिक एवं मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के मूलाधार" विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1979 पृ. सं. 29 से 31
वर्मा, डा. रामपाल सिंह	"वाणिज्य शिक्षण" विनोद प्रकाशन, आगरा
काबरा, उम्मेदराम	"नई शिक्षा नीति" क्रियान्वयन एवं सतत मूल्यांकन, 1987
Administration -	"Recommendation of NEP 1985.
Agarwala, A.N.	Planning of Business Education and Research in India, p.25.
Agarwal, J.C. and Agarwal, S.P.	'Vocational Education in India' Why, What and How? DOAB House, Delhi, 1987, pp.85-107.

Boynton, Lewis D. "Methods of Teaching Book-Keeping," South Western Publishing Company, Cincinnati, 1955.

Buch, M.B. "Third Educational Research Survey" N.C.E.R.T.

Calhoun Calfrey and Hillestad Mildred 'Contribution to Research to Business Education', National Business Education Association, 1201 Sixteenth Street, New Washington DC 20036 pp.140.

Cheesman A.Herrick- The Meaning and Practice of Commercial Education, New York: The Macmillan Company, 1904, Page 60.

Clem Jane E. Techniques of Teaching Typewriting Gregg Publishing Division, McGraw Hill Book Company, New York, 1955.

Dame, J. Frark and Brinkman Albert R. Guidance in Business Education, South-Western Publishing Company, Cincinnati, 1961.

Douglas Lloys V. Business Education Washington D.C. The Centre of Applied Research in Education, 1963 page 1.

Garrett, Henry 'Statistics in Psychology and Education'

Harms, Harms and Stehr. B.W. Methods in Vocational Business Education, South-Western Publishing Company, Cincinnati, 1963.

Herbert A.Tonne and Louis C.Nanassy — 'Principles of Business Education (Fourth Edition) Greeg Division, McGraw Hill Book Company, INC New York, 1961, p.4-6.

N.C.E.R.T. — 'Fourth Survey of Educational Research', NCERT

Sluder, L.I. — An Analysis and Synthesis of Research Findings Pertaining to general Business; Doctor's Thesis Bloomington, Indian University, 1965. Taken from James W. Crews..The Teaching of General Business and Economic Education reproduced by Calfrey C.Calhoun and Mildred Hillestand (Editors) in Contributions of Research to Business Education National Business Education Year Book No.9, National Business Education Association Washington, D.C. Page 89.

State Council of Educational Research and Training, Delhi

Woolschlager, Ruth B and Harris E.Edword (Ed) — Business Education Yesterday, Today and Tomorrow, National Business Education Year Book No.14, National Business Education Association, Virginia, 1976.

REPORTS

D.S.Kothari — 'Report of the Education Commission (1964-66)Government of India,1966.

Government of India Ministry of Education — Report of the Review Committee on the Curriculum for the ten year School,Publication No.1164 New Delhi,1978.

Great Britain — Special Report on Education II Part 2 pp.327-328,Board of Education,1902,as quoted by Lieverett,S.Lyon Education for Business p.114.

Ishwaribhai J.Patel — Report of the Review Committee on the Curriculum for the Ten year School',Ministry of Education and Social Welfare, Government of India,New Delhi 1977.

Maheshwari,S.B. — Teacher's Guide in Book Keeping and Accounting.Monograph 6,Department of Commerce, Regional College of Education Bhopal,1969.

Malcolm S.Adiseshisyt — 'Learning to do'-Report of the National Review Committee on Higher Secondary Education with special reference to vocationalisation",Ministry of Education and Social Welfare,Government of India,New Delhi,1977.

National Policy of Education 1986 - Ministry of Human Resource Development, Department of Education, Government of India, New Delhi May, 1986.

Pant, K.C. 'Vocationalisation of Education Report of the National working group constituted by Chairman All India Council for Technical Education, Ministry of Education Government of India, New Delhi, August, 1985.

(JOURNALS) जर्नलस

भारतीय आधुनिक शिक्षा "उच्च माध्यमिक स्तरपर शिक्षा का व्यावसायीकरण" अप्रेल 1988 पृ. सं. 7-8

शिक्षा विवेचन "शिक्षा का व्यावसायीकरण" मुल्लर श्री के. के., 1987 पृ. स. 24-25

राजस्थान बोर्ड शिक्षण पत्रिका विशेषांक "व्यावसायिक शिक्षा" (जुलाई-दिसम्बर, 1987)

American Vocational Association 10.0 Vermonti Abenue, Washington 5 ,DC.1954,Page 7.

Department of Commerce, Regional College of Education, New Trends in Teaching Book-Keeping and Accounting Mysore,1968.

Distributive Education Survey of Teachers Business Education Forum,Official Journal of the National Business Education Association Oct.,1979 pp.52.

Extension Services Centre, Regional College of Education, Bhopal,"The Teaching of Commerce' 1967.

Hindustan Time 'Board on Commerce Education' Constituted, 30.8.87,New Delhi.

Rajasthan Board Journal of Education 'Problems of Secondary School Pupils',Dave Dr.(Mrs.) Indu Jain,K.C. 1968,pp.10-35.

Survey of Teachers forum No.37,Distributive Education little,Michaelw

The Journal of Work experience and Vocational Education in Agriculture", National Association of Agri. Teacher (NAAT)Regional College of Education,Ajmer, Dec.,1990.P.18-22.

परिशिष्ट

गोपनीय

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर

आईदान
एम. काम. एम. एड. छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर
(शोधकर्ता)

डॉ0के. सी. एस. जैन
रीडर, वाणिज्य विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर
(निर्देशक)

सामान्य सूचना

1. नाम ———— 2. योग्यता ————
3. पद ———— 4. कुल अनुभव ————
5. विद्यालय का नाम ————
6. धारा जिसको आप पढ़ा रहे हैं – अकादमिक/व्यावसायिक/दोनों
   (✓) निशान लगाइये ।
7. विषय जिनका आप अध्ययन करा रहे हैं –

(अ) ———— (ब) ———— (स) ————

वाणिज्य के अकादमिक और व्यावसायिक धाराओं के उद्देश्यों और समस्याओं से संबंधित जाँच सूचियां (Check Lists)

मैं अपने एम! एड। के पाठ्यक्रम में लघुशोध कार्य की पूर्ति हेतु आपका सहयोग चाहता हूँ । इसके लिए मैंने निम्न दो जांच सूचियां तैयार की हैं :–

1. वाणिज्य के अकादमिक और व्यावसायिक धाराओं के उद्देश्यों से संबंधित जांच सूचि (Check List)
2. वाणिज्य के अकादमिक और व्यावसायिक धाराओं की समस्याओं से संबंधित जांच सूचि (Check List)

ये जांच सूचियां दो भागों में विभक्त है । दांयी ओर प्रत्येक उद्देश्य/समस्या के चार विकल्पों में से किसी एक पर अप ने सहमति (✓) निशान लगाकर दीजिये । बांयी ओर अकादमिक और व्यावसायिक स्तम्भों में उद्देश्यों/समस्याओं को वरियता क्रम में लिखिये ।

आपसे अनुरोध है कि आप अपना स्पष्ट मत (Opinion) देकर लघु शोध कार्य में सहयोग प्रदान कीजिये । आप द्वारा दी गई सभी सूचनाओं का प्रयोग केवल शोध कार्य के लिए ही किया जाएगा ।

वाणिज्य के अकादमिक और व्यावसायिक धाराओं के उद्देश्यों से सम्बन्धित

Check List जांच सूचि (1)

वरियताक्रम व्यावसायिक	वरियताक्रम अकादमिक	उद्देश्य	व्यावसायिक	अकादमिक	दोनों के लिए	सम्बन्धित नहीं है
		1. व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करना ।				
		2. भावी शिक्षा के लिए तैयार करना				
		3. सफल नागरिक का निर्माण करना				
		4. सामान्य वाणिज्य-शिक्षा का ज्ञान कराना				
		5. वाणिज्य शिक्षा के व्यक्तिगत उपयोग से परिचित करना				
		6. वाणिज्य शिक्षा का व्यावहारिक ज्ञान कराना				
		7. सामान्य चातुर्य का विकास करना				
		8. जीविकोपार्जन के लिए तैयार करना				
		9. व्यवसाय चयन एवं परिवर्तन में सहायता करना ।				
		10. वाणिज्यिक कुशलताओं का विकास करना				
		11. राष्ट्र की आर्थिक स्थिति व समस्याओं की जानकारी कराना ।				
		12. तर्क एवं निर्णय शक्ति का विकास करना ।				
		13. अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक द्रष्टिकोण का विकास करना ।				
		14. सेवा भाव, धैर्य, नम्रता व ईमानदारी की भावना का विकास करना ।				
		15. देश की आर्थिक एवं विकासात्मक योजनाओं से परिचित कराना ।				

वरीयता क्रम व्याव- सायिक	अका- दमिक	उद्देश्य	व्याव- सायिक	अका- दमिक	दोनों के लिए	सम्ब- न्धित नहीं है
		16. व्यावसायिक आंकड़े एकत्रित करके उनका मूल्यांकन कर निष्कर्ष निकालने के योग्य बनाना ।				
		17. उपभोक्ता गुणों का विकास करना ।				
		18. मितव्ययता और बचत की आदतों का विकास करना ।				
		19. सक्षम (Competent) शिक्षक बनाना ।				
		20. अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के प्रति जागरूक करना ।				
		21. बहीखाता एवं लेखा विज्ञानों के सामान्य सिद्धान्तों एवं नियमों को जानने व समझने में सहायता करना ।				
		22. वित्तीय प्रारूप , रिकार्डस व प्रतिवेदन तैयार करने की कुशलता विकसित करना तथा उनका उचित विश्लेषण करने की क्षमता का विकास करना ।				
		23. नवीन परिस्थितियों में विभिन्न वाणिज्य सम्बन्धी सिद्धान्तों को अपनाने की योग्यता का विकास करना ।				
		24. तार्किक दृष्टिकोण का विकास करना				
		25. गणितीय क्षमता का विकास करना				
		26. साहस सम्बन्धी क्षमताओं का विकास करना ।				
		27. शीघ्र निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना ।				
		28. विभिन्न बचत सम्बन्धी योजनाओं की जानकारी कराना ।				
		29. सामान्य व्यापारिक संगठन एवं विन्यास (Layout) की जानकारी देना ।				
		30. उपभोक्ता संरक्षण के नियमों की जानकारी कराना ।				

अन्य जो आप उपयुक्त समझते हैं उसे लिखिये :-

1. _____

2. _____

3. _____

4. _____

5. _____

6. _____

7. _____

8. _____

9. _____

10. _____

वाणिज्य के अकादमिक और व्यावसायिक धाराओं की समस्याओं से सम्बन्धित

जांच सूचि - (2) (Check List)

वरियता क्रम व्याव- सायिक	वरियता क्रम अका- दमिक	समस्याएँ	व्याव- सायिक	अका- दमिक	दोनो के लिए	सम्बन्धित नहीं हैं ।
		1. प्रशिक्षित शिक्षकों का अभाव ।				
		2. शिक्षण के लिए आवश्यक उपकरणों और सामग्रियों का अभाव ।				
		3. उचित एवं व्यवस्थित पाठ्यक्रम का अभाव ।				
		4. वाणिज्य शिक्षा में व्यवहारिकता का अभाव ।				
		5. वितीय साधनों का अभाव ।				
		6. वाणिज्य शिक्षा का रोजगार के प्राप्त कराने में असमर्थ रहना				
		7. वाणिज्य के पाठ्यक्रम में भाषा, सामान्य शिक्षा, और गणितिय कौशलों पर ध्यान न दिया जाना ।				
		8. सही निर्देशन एवं मूल्यांकन का अभाव ।				
		9. शिक्षण में क्रियात्मक प्रशिक्षण का अभाव ।				
		10. विद्यालयों में शिक्षा को प्रभावी रूप से लागू न करना ।				
		11. वाणिज्य से संबंधित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का विद्यालयों में अभाव				
		12. आवश्यक अनुसंधान का अभाव ।				
		13. वाणिज्य शिक्षा में पाठ्यक्रम- ागी। प्रवृतियों का अभाव ।				
		14. वाणिज्यिक प्रयोगशालाओं का विद्यालयों में अभाव ।				
		15. वाणिज्य शिक्षा पर अलग से कोषों (Funds) की व्यवस्था न होना ।				
		16. विद्यालयों में वाणिज्य शिक्षकों की पर्याप्त संख्या का अभाव				

वरियता क्रम व्याव- सायिक	अका- दमिक	समस्याएँ	व्याव- सायिक	अका- दमिक	दोनों के लिए	सम्बन्धित नहीं
		17. वाणिज्य के लिए भौतिक सुविधाओं का विद्यालयों में अभाव				
		18. नवीन वैज्ञानिक उपकरणों का अभाव				
		19. वाणिज्य के शिक्षकों के उचित प्रशिक्षण का अभाव ।				
		20. आवश्यक सामुदायिक सहायता का अभाव				
		21. छात्रों के कार्य प्रशिक्षण (Jobtraining) की समस्या ।				
		22. व्यावसायिक विषयों में उचित मूल्यांकन की विधियों का अभाव				
		23. + 2 स्तर पर व्यावसायिक वाणिज्य शिक्षा प्राप्त कर लेने पर सेवाओं का अभाव ।				
		24. उपयुक्त स्वरोजगार के अवसरों का अभाव ।				
		25. उचित पाठ्य पुस्तकों का अभाव				
		26. वाणिज्य सम्बन्धित अध्यापन सामग्रियों की कमी ।				
		27. विद्यालयों में वाणिज्य संबंधी पत्र-पत्रिकाओं एवं संदर्भ पुस्तकों का अभाव				
		28. वाणिज्य शिक्षा में नवीन आयाम एवं क्रियात्मक शोध का अभाव ।				
		29. वाणिज्य से संबंधित अकादमिक पाठ्यक्रमों का विद्यालयों में अभाव				
		30. सेवारत शिक्षकों के वृतिक विकास के अवसरों का अभाव ।				
		31. छात्रों के शिक्षा समाप्त करने के बाद उचित रोजगार प्राप्त हेतु मार्गदर्शन का अभाव ।				
		32. अन्य जो आप उपयुक्त समझते हैं उन्हें लिखिये :-				
		1.	3.			
		2.	4.			
			5.			